K24P 3320

Reg. No. : .....

Name : .....

III Semester M.A. Degree (CBSS – Supple./Imp.) Examination, October 2024
(2021 and 2022 Admissions)
HINDI LANGUAGE AND LITERATURE
HIN 3C13 – Modern Hindi
Short Stories

Time : 3 Hours

Max. Marks : 80

I. निर्देश: **3** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए । **(3×2=6)**

1) समानांतर कहानी का परिचय दीजिए ।

2) 'सिलिया' कहानी में प्रतिपाद्य विषय क्या है ?

3) समकालीन हिन्दी महिला कहानीकारों के नाम लिखिए ।

4) कहानीकार जयशंकर प्रसाद का परिचय दीजिए ।

5) मलबे का मालिक कहानी का विषय क्या है ?

II. निर्देश: **4** प्रश्नों के समीक्षात्मक उत्तर दीजिए । (अधिकतम **150** शब्द ।) **(4×5=20)**

6) 'वापसी' कहानी की मूल संवेदना ।

7) दलित विमर्श ।

8) 'पिता' कहानी में सामाजिक यथार्थ ।

9) तिरिछ कहानी का उद्देश्य ।

10) प्रेमचन्द का आदर्शान्मुख यथार्थवाद ।

11) फणीश्वर नाथ रेणु की भाषा शैली ।

P.T.O.

III. निर्देश: **तीन** प्रश्नों पर निबंध लिखिए । (अधिकतम **300** शब्द ।) **(3×12=36)**

12) प्रेमचन्द युगीन कहानियों की मुख्य विशेषताएँ क्या-क्या है ?

13) भीष्म सहानी की कहानी 'मौका परस्त' पर प्रकाश डालिए ।

14) हिन्दी कहानी के उद्‌भव और विकास पर सविस्तार चर्चा कीजिए ।

15) 'परिन्दे' कहानी की समीक्षा कीजिए ।

16) हिन्दी कहानी के विभिन्न आंदोलनों पर प्रकाश डालिए ।

IV. 17) निर्देश: किन्ही **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए । सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **(3×6=18)**

i) ''तुम छोड दो अबकी से खेती । मजूरी में सुख से एक रोटी खाने को तो मिलेगी । किसी की घौंस तो न रहेगी । अच्छी खेती है । मजूरी करके लाओं वह उसी में झोंक दो, पर घौंस ।''

ii) ''एक बच्चे को ही ठीक से पाल सकना मुश्किल है । जाने कैसे लोग इतने बच्चों को पालते है .... देखो तो माली को । कमबख्त के तीन बच्चे पहले है, एक और हो गया ।''

iii) ''भरा - पूरा घर छोडकर गया था और आज यहाँ यह मिट्‌टी देखने आया हूँ । बसे घर की आज यही निशानी रह गयी है । तू सच पूछे तो मेरा यह मिट्‌टी भी छोडकर जाने का मन नहीं करता ।''

iv) ''तुमने उस दिन मेरे प्राण बचाये थे । आप घोडे की लातों में चले गये थे । और मुझे उठाकर दूकान के तख्ते पर खडा कर दिया था । ऐसे ही इन दोनों को बचाना । यह मेरी भिक्षा है ।''

v) ''स्मरण होता है वह दार्शनिकों का देश । वह महिमा की प्रतिमा । मुझे वह स्मृति नित्य आकर्षित करती है; परन्तु मैं क्यों नहीं जाता ? जानती हो, इतना महत्व प्राप्त करने पर भी मैं कंगाल हूँ । मेरा पत्थर-सा हृदय एक दिन सहसा तुम्हारे स्पर्श से चन्द्रकान्तमणि की तरह द्रवित हुआ ।''